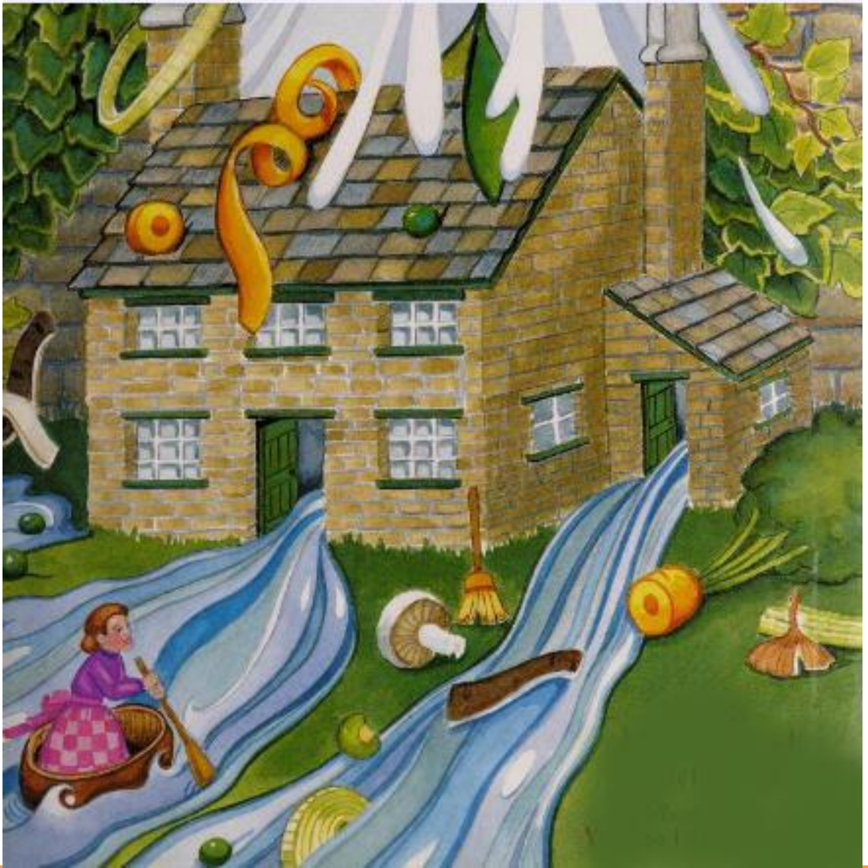
कचरा!

एक वेल्श लोककथा



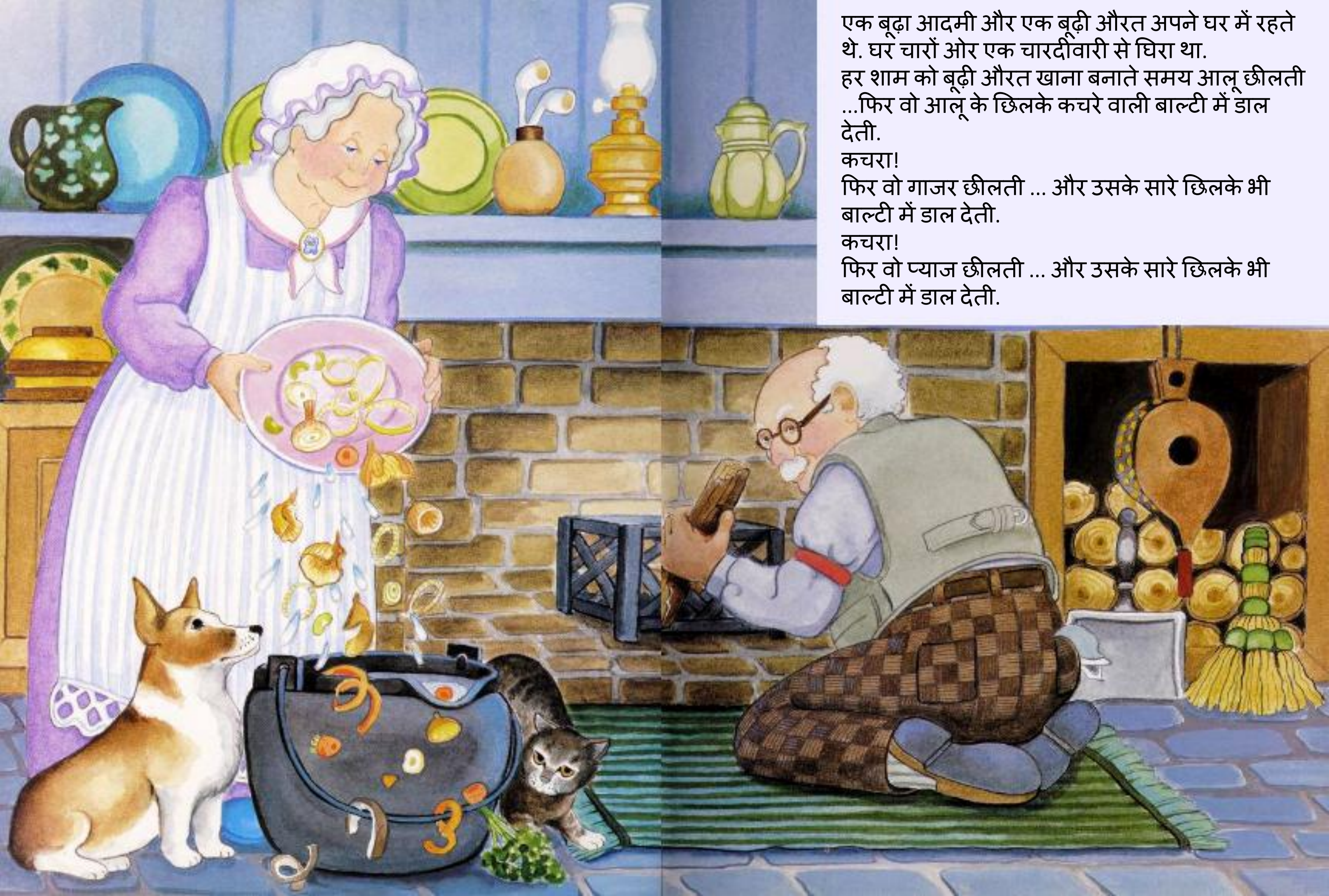
सब्जी की छीलन और गन्दा पानी एक छोटे आदमी और छोटी औरत की चिमनी में से रोज़ाना नीचे गिरता है. वो बेचारे क्या करें?

हर रात बूढ़ा आदमी और बूढ़ी औरत अपना रात का खाना खत्म करने के बाद सभी कचरे को एक बाल्टी में डालते हैं. फिर बूढ़ा आदमी कचरे की उस बाल्टी को उठाता है, उसे बाहर ले जाता है और बगीचे की दीवार के ऊपर फेंक देता है.

जब छोटे आदमी उस बूढ़े दंपति को अपनी समस्या बताता है तो वे उसका एक सरल हल निकालते हैं.

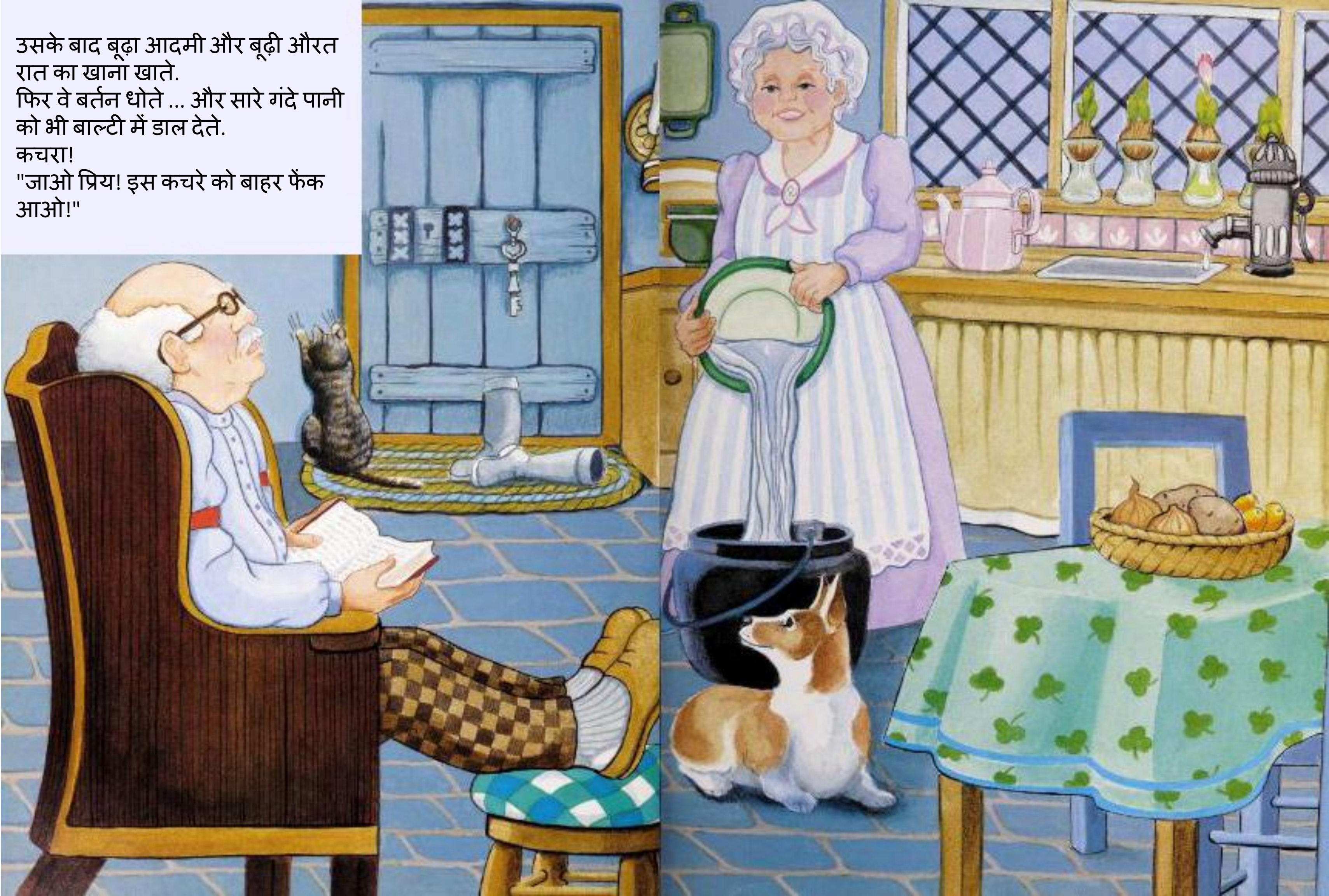
कचरा!

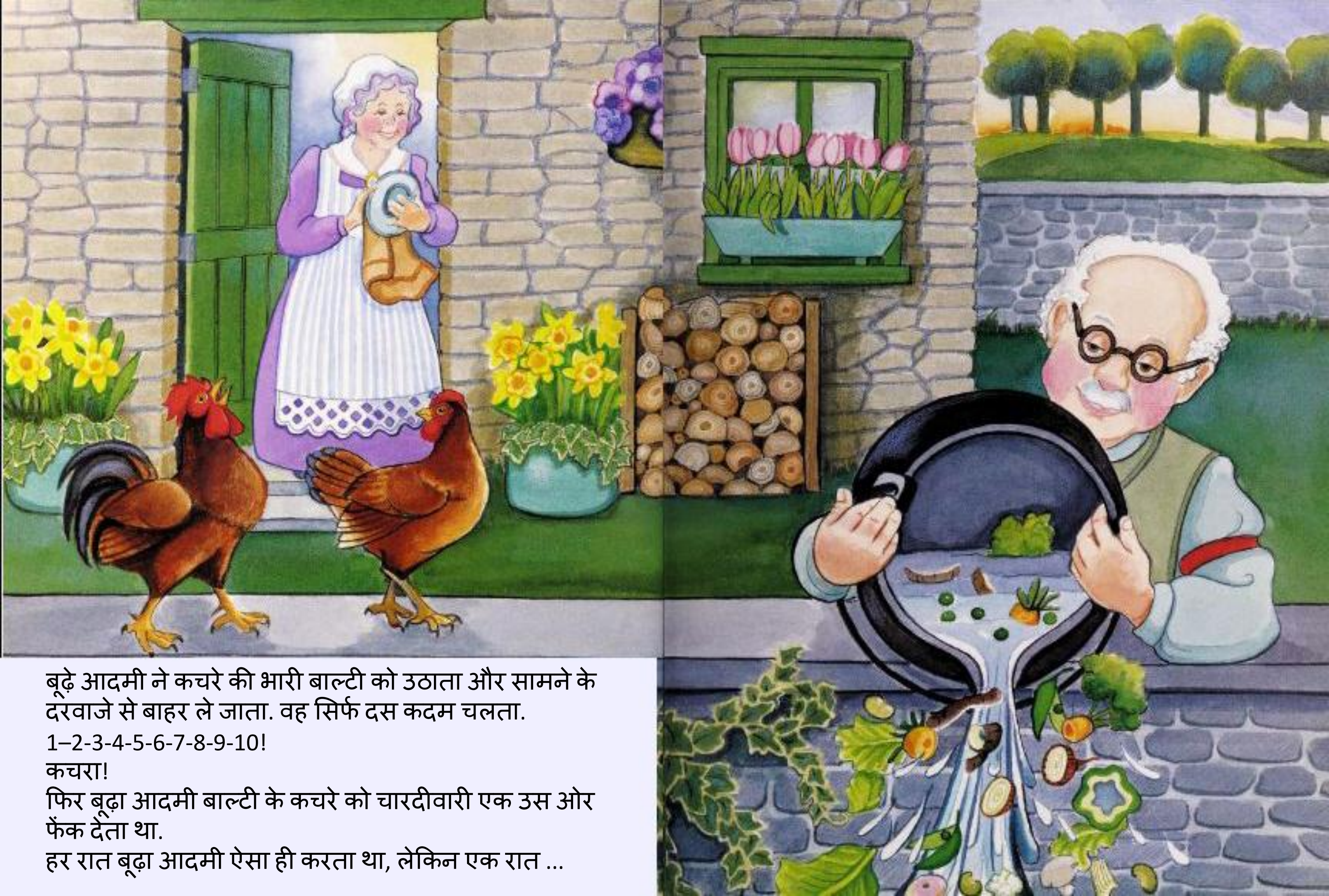
एक वेल्श लोककथा



एक बूढ़ा आदमी और एक बूढ़ी औरत अपने घर में रहते थे. घर चारों ओर एक चारदीवारी से घिरा था.
हर शाम को बूढ़ी औरत खाना बनाते समय आलू छीलती ...फिर वो आलू के छिलके कचरे वाली बाल्टी में डाल देती.
कचरा!
फिर वो गाजर छीलती ... और उसके सारे छिलके भी बाल्टी में डाल देती.
कचरा!
फिर वो प्याज छीलती ... और उसके सारे छिलके भी बाल्टी में डाल देती.

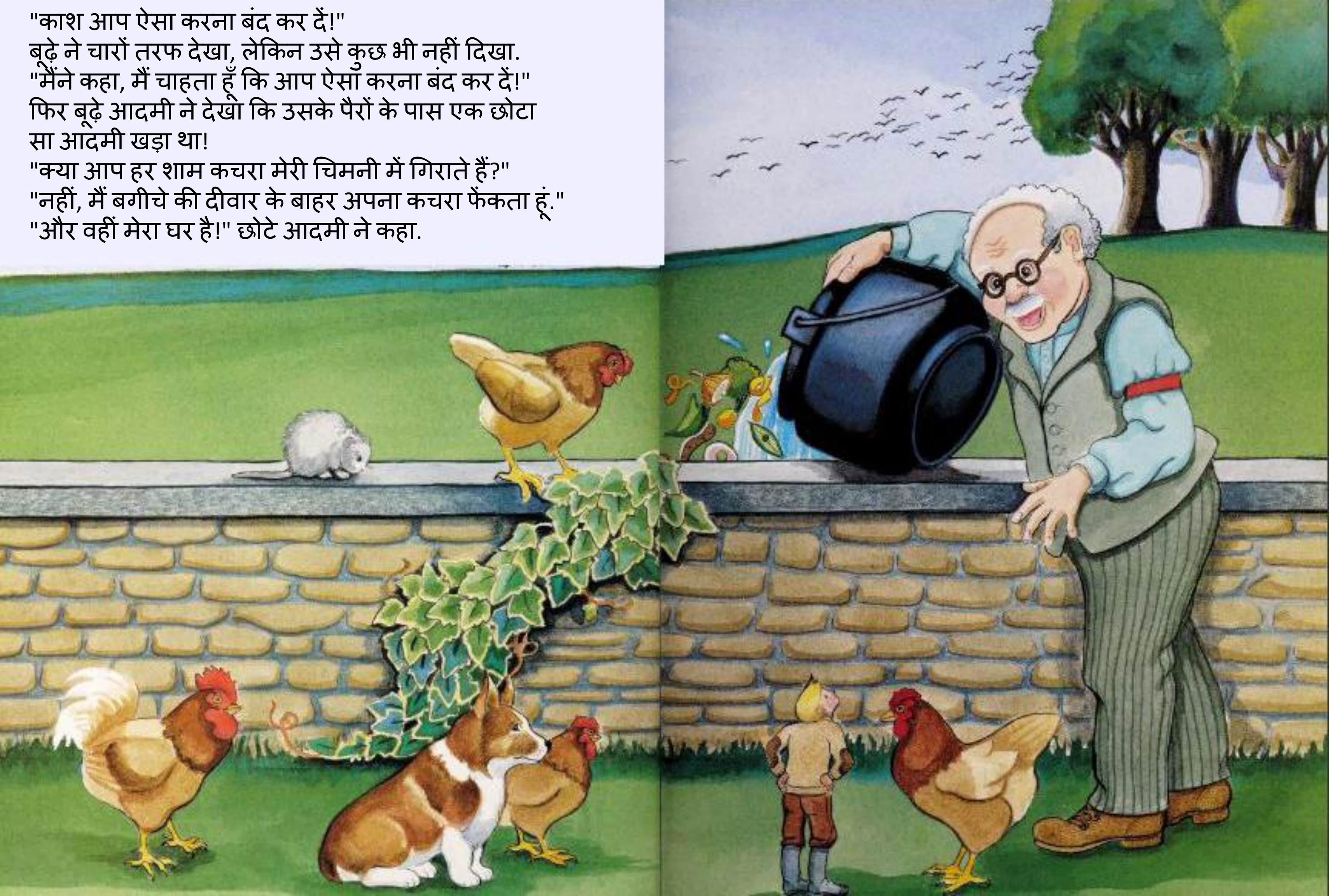
उसके बाद बूढ़ा आदमी और बूढ़ी औरत रात का खाना खाते.
फिर वे बर्तन धोते ... और सारे गंदे पानी को भी बाल्टी में डाल देते.
कचरा!
"जाओ प्रिय! इस कचरे को बाहर फेंक आओ!"

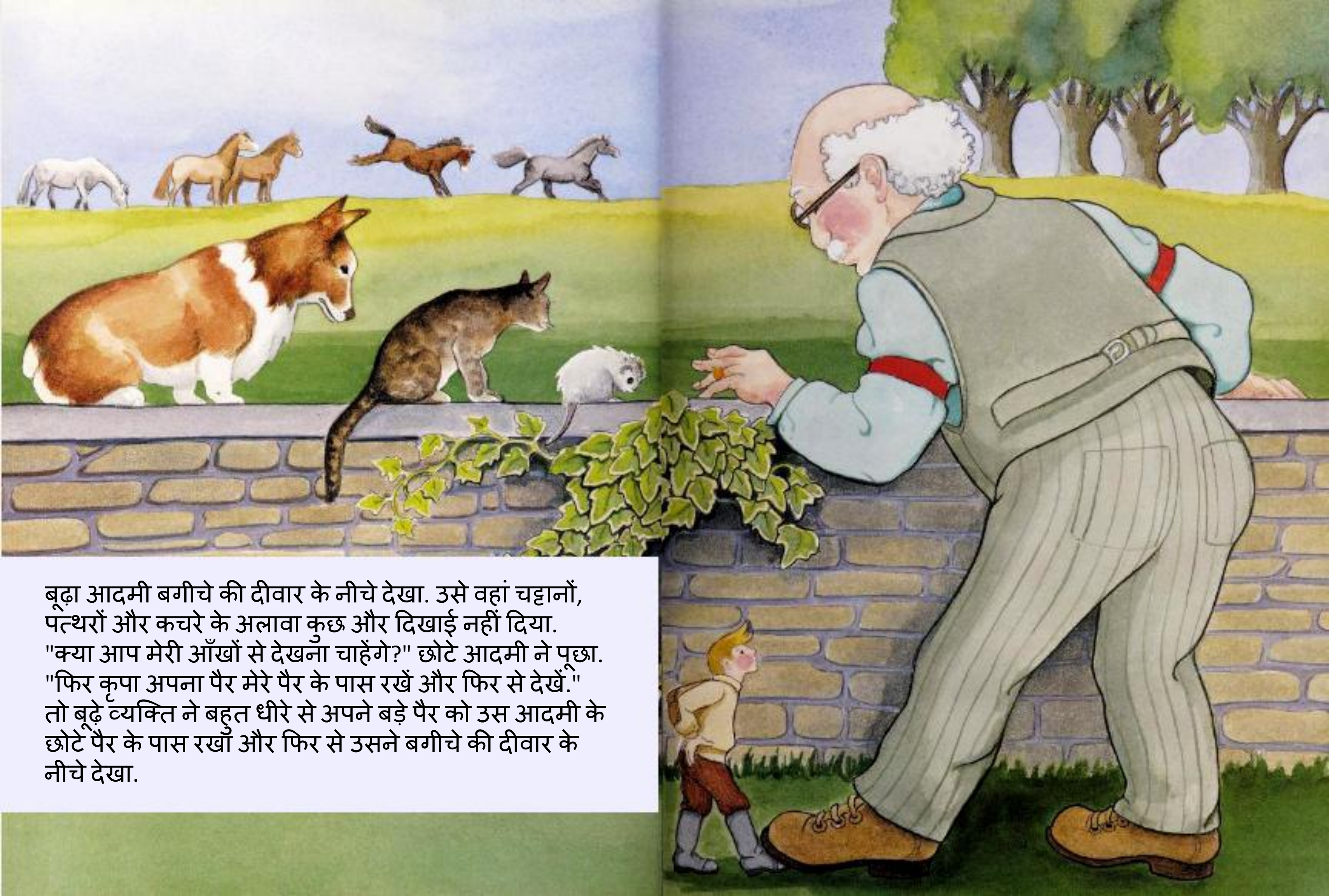




बूढ़े आदमी ने कचरे की भारी बाल्टी को उठाता और सामने के दरवाजे से बाहर ले जाता. वह सिर्फ दस कदम चलता.
1–2-3-4-5-6-7-8-9-10!
कचरा!
फिर बूढ़ा आदमी बाल्टी के कचरे को चारदीवारी एक उस ओर फेंक देता था.
हर रात बूढ़ा आदमी ऐसा ही करता था, लेकिन एक रात ...

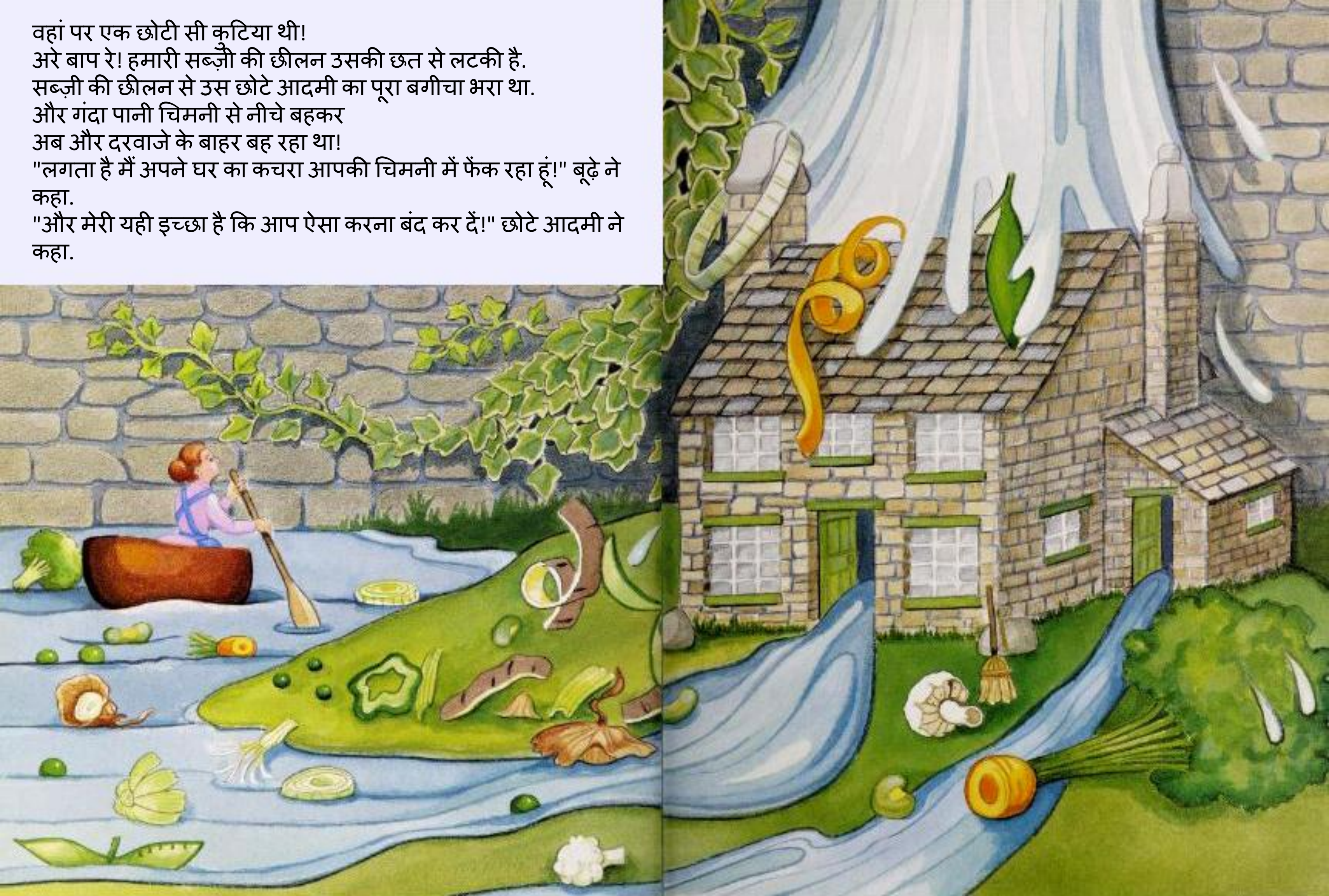
"काश आप ऐसा करना बंद कर दें!"
बूढ़े ने चारों तरफ देखा, लेकिन उसे कुछ भी नहीं दिखा.
"मैंने कहा, मैं चाहता हूँ कि आप ऐसा करना बंद कर दें!"
फिर बूढ़े आदमी ने देखा कि उसके पैरों के पास एक छोटा सा आदमी खड़ा था!
"क्या आप हर शाम कचरा मेरी चिमनी में गिराते हैं?"
"नहीं, मैं बगीचे की दीवार के बाहर अपना कचरा फेंकता हूं."
"और वहीं मेरा घर है!" छोटे आदमी ने कहा.





बूढ़ा आदमी बगीचे की दीवार के नीचे देखा. उसे वहां चट्टानों, पत्थरों और कचरे के अलावा कुछ और दिखाई नहीं दिया.
"क्या आप मेरी आँखों से देखना चाहेंगे?" छोटे आदमी ने पूछा.
"फिर कृपा अपना पैर मेरे पैर के पास रखें और फिर से देखें."
तो बूढ़े व्यक्ति ने बहुत धीरे से अपने बड़े पैर को उस आदमी के छोटे पैर के पास रखा और फिर से उसने बगीचे की दीवार के नीचे देखा.

वहां पर एक छोटी सी कुटिया थी!
अरे बाप रे! हमारी सब्ज़ी की छीलन उसकी छत से लटकी है.
सब्ज़ी की छीलन से उस छोटे आदमी का पूरा बगीचा भरा था.
और गंदा पानी चिमनी से नीचे बहकर
अब और दरवाजे के बाहर बह रहा था!
"लगता है मैं अपने घर का कचरा आपकी चिमनी में फेंक रहा हूं!" बूढ़े ने कहा.
"और मेरी यही इच्छा है कि आप ऐसा करना बंद कर दें!" छोटे आदमी ने कहा.



बूढ़ा वापस अपने घर गया और उसने जो कुछ देखा था वो उसने अपनी पत्नी को बताया.
"उस छोटे आदमी की पत्नी को हर दिन गंदे पानी को पोंछना पड़ता है और छिलकों को बाहर निकालकर फेंकना पड़ता है!"
"वो बेचारी!" उसकी पत्नी ने कहा. "हमें उनकी चिमनी में अपना कचरा डालना तुरंत बंद कर देना चाहिए."
"लेकिन फिर हम उन्हें कहाँ डालेंगे?" बूढ़े ने पूछा. "बाल्टी इतनी भारी होती है कि मैं उसे फेंकने के लिए बगीचे की पीछे वाली दीवार तक नहीं जा सकता हूँ." फिर दोनों ने बैठकर सोच-विचार किया. तब बुढ़िया को एक अच्छा आईडिया आया.

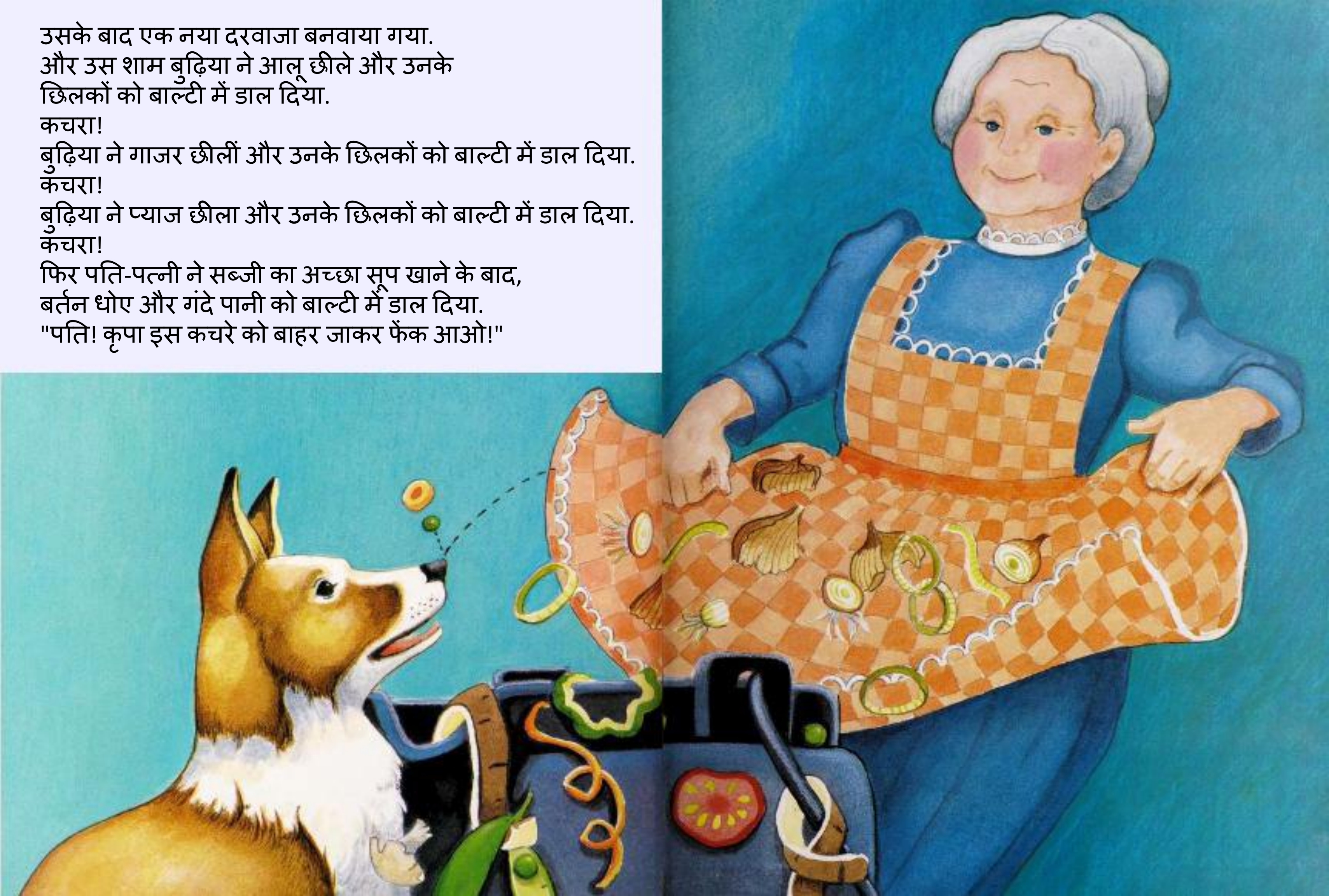


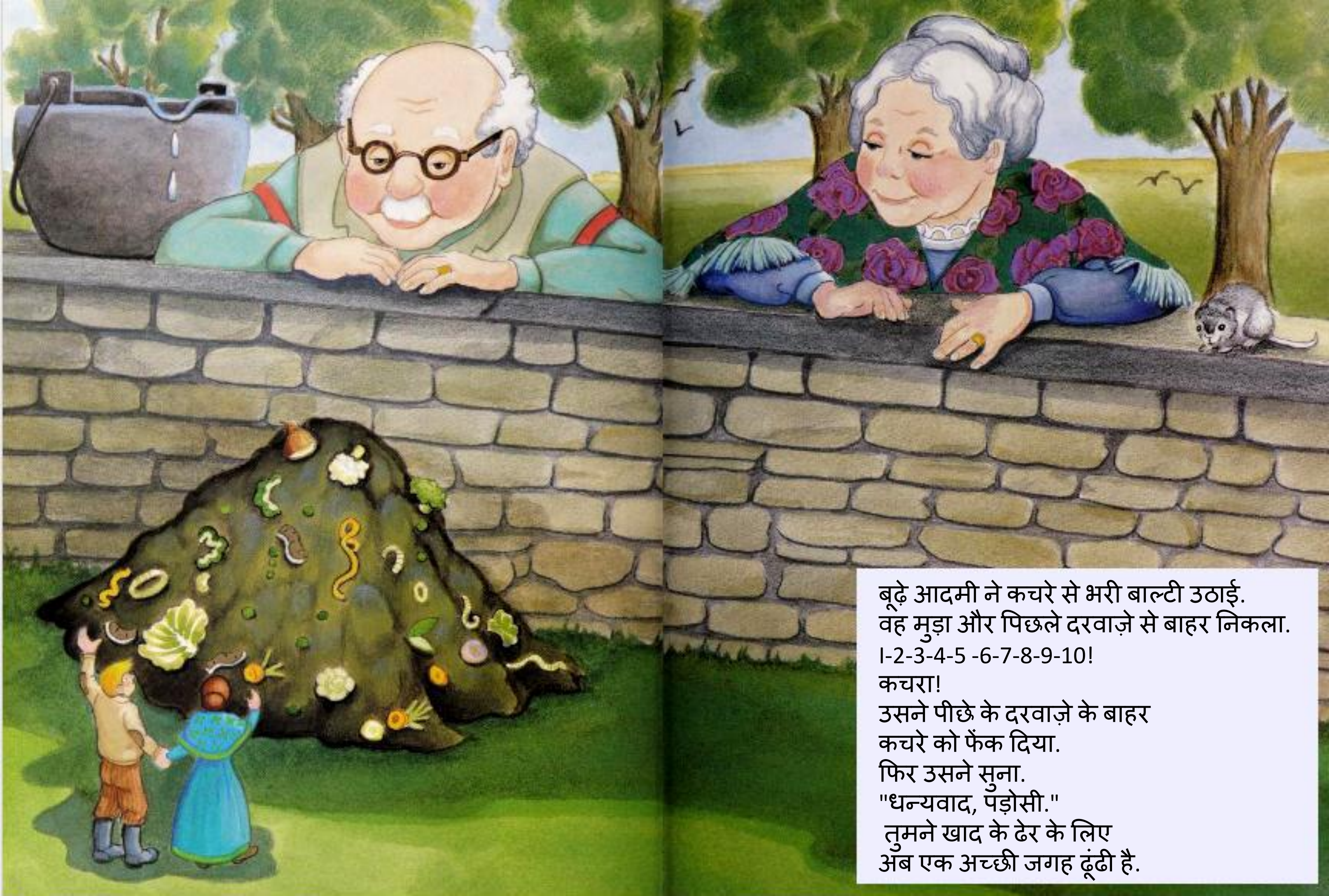


"अगर हमारे घर के पिछली दीवार में एक दरवाजा होता,
तो तुम्हें वहां पहुँचने के लिए सिर्फ दस कदम चलने पड़ते.
हम बढ़ई को बुलाकर पिछली दीवार में एक नया दरवाज़ा लगवा सकते हैं."

"'उसमें काफी पैसे खर्च होंगे. हमारे पास बहुत कम पैसे हैं."
बुढ़िया ने कहा, "मेरे पैसे इकट्ठे करूंगी. और मुझे अपने पड़ोसियों को खुश करने के लिए पैसे खर्च करने में खुशी होगी."

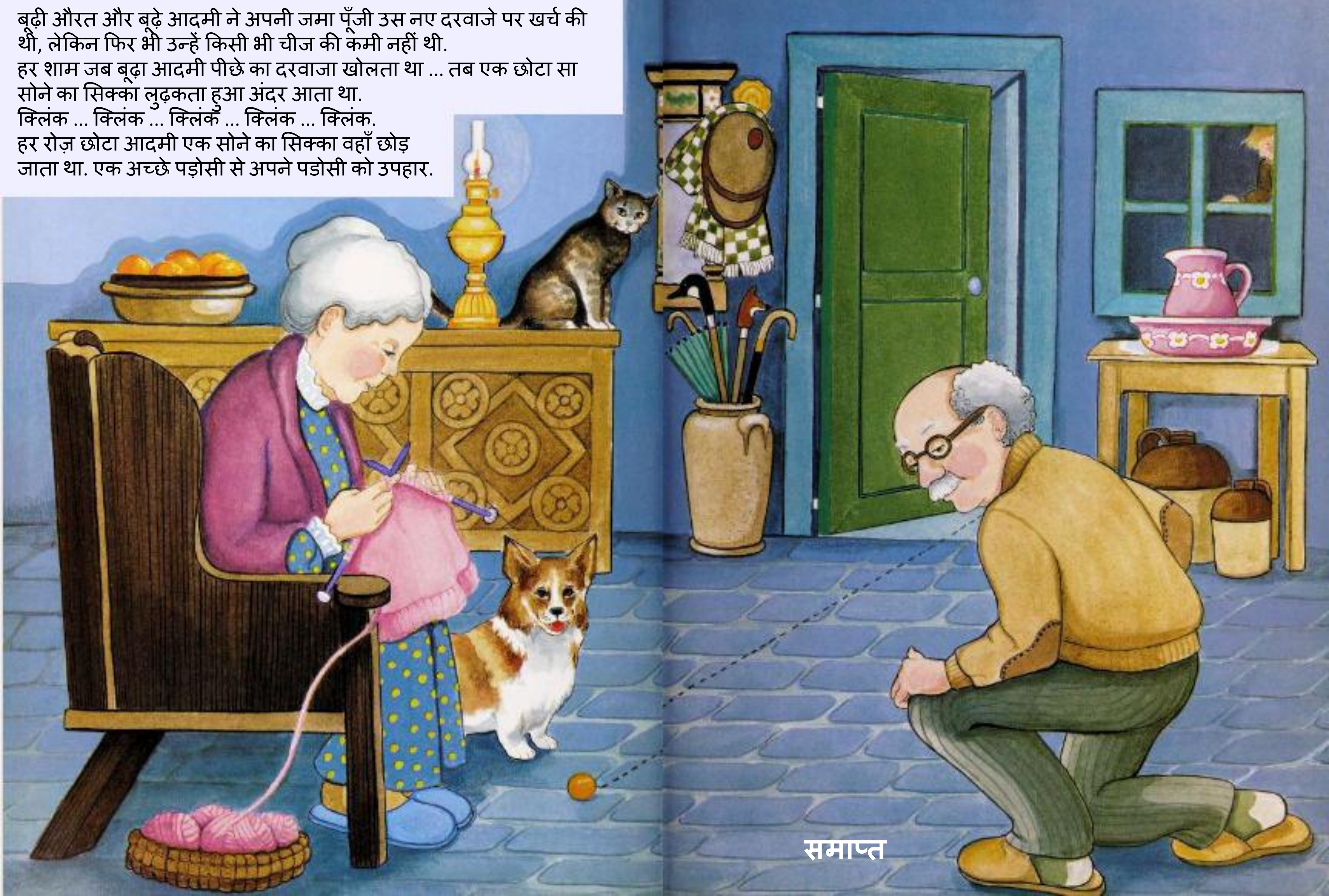
उसके बाद एक नया दरवाजा बनवाया गया.
और उस शाम बुढ़िया ने आलू छीले और उनके
छिलकों को बाल्टी में डाल दिया.
कचरा!
बुढ़िया ने गाजर छीलीं और उनके छिलकों को बाल्टी में डाल दिया.
कचरा!
बुढ़िया ने प्याज छीला और उनके छिलकों को बाल्टी में डाल दिया.
कचरा!
फिर पति-पत्नी ने सब्जी का अच्छा सूप खाने के बाद,
बर्तन धोए और गंदे पानी को बाल्टी में डाल दिया.
"पति! कृपा इस कचरे को बाहर जाकर फेंक आओ!"





बूढ़े आदमी ने कचरे से भरी बाल्टी उठाई.
वह मुड़ा और पिछले दरवाज़े से बाहर निकला.
I-2-3-4-5 -6-7-8-9-10!
कचरा!
उसने पीछे के दरवाज़े के बाहर
कचरे को फेंक दिया.
फिर उसने सुना.
"धन्यवाद, पड़ोसी."
तुमने खाद के ढेर के लिए
अब एक अच्छी जगह ढूंढी है.

बूढ़ी औरत और बूढ़े आदमी ने अपनी जमा पूँजी उस नए दरवाजे पर खर्च की थी, लेकिन फिर भी उन्हें किसी भी चीज की कमी नहीं थी.
हर शाम जब बूढ़ा आदमी पीछे का दरवाजा खोलता था ... तब एक छोटा सा सोने का सिक्का लुढ़कता हुआ अंदर आता था.
क्लिंक ... क्लिंक ... क्लिंक ... क्लिंक ... क्लिंक.
हर रोज़ छोटा आदमी एक सोने का सिक्का वहाँ छोड़ जाता था. एक अच्छे पड़ोसी से अपने पडोसी को उपहार.



समाप्त